[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, बुधवार, 17 जून 2026 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 5 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 237, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

अनमोल वचन

जो अत्यंत विकट परिस्थितियों में भी झुक कर हार नहीं मानते, वो हार कर भी जीत जाते हैं

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

PADMAVAT MEDIA

Reg. No. MH180326353

पदमावत मीडिया

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

मातृभूमि प्रेम, त्याग, स्वाभिमान ... 02

05 ग्रामीण सेवा शिविर में कई ....

खबर संक्षेप

किकबॉक्सिंग नेशनल चैंपियनशिप के लिए जोधपुर की टीम रवाना

जोधपुर @ पदमावत मीडिया। इंदौर में आयोजित होने वाली किकबॉक्सिंग नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए जोधपुर के

10 खिलाड़ियों का दल जिला किकबॉक्सिंग संघ के सचिव एवं राज्य किकबॉक्सिंग संघ के सदस्य गोविंद प्रजापत के नेतृत्व में रवाना हुआ। गोविंद प्रजापत ने बताया कि राज्य स्तरीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मोक्ष प्रजापत, अंकुश कुमार, अनिल लखानी, संबुल यादव, व्यान सेन, निखिल पटेल, युवनी मेवाड़ा, जयदीप पटेल, युवान कपूर तथा चिराग प्रजापत का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। सभी खिलाड़ी इंदौर में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के चयन पर खेल जगत में खुशी का माहौल है। विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं खेल संगठनों के पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।

स्वर्णिम भारत फाउंडेशन का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह संपन्न

शिमला @ पदमावत मीडिया। स्वर्णिम भारत समाज कल्याण फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह मिलन कार्यक्रम-2026 उत्साह, संस्कृति और सम्मान के

माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज सेवा, शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली अनेक हस्तियों को सम्मानित किया गया, जबकि हिमाचली लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शबाब आलम रहे, जबकि डॉ. बी.के. मोनिका, डॉ. संजय साशन और प्रवीण सीयूटा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह मेहता ने संस्था की गतिविधियों और सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डालते हुए समाज सेवा के लिए अधिकाधिक लोगों को आगे आने का आह्वान किया। समारोह में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत लाइफटाइम अचीवमेंट, भारत रत्न, भारत गौरव, शान-ए-भारत, शिक्षा रत्न, हिमाचल गौरव और शान-ए-हिमाचल अवॉर्ड 2026 प्रदान किए गए। इस अवसर पर शिक्षा, समाज सेवा, विज्ञान, साहित्य और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कई विभूतियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एनजीएस विद्या मंदिर के विद्यार्थियों एवं शिवशक्ति स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि डॉ. शबाब आलम ने फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज उत्थान के लिए समर्पित संगठन बताया। समारोह का समापन समाज में सेवा, समरसता और राष्ट्र निर्माण के प्रति योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

संविदाकर्मियों ने उठाए ठेका प्रथा पर सवाल, सुनवाई की मांग

जयपुर/उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान में संविदा पर कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों एवं नर्सिंगकर्मियों ने ठेका प्रथा, कम वेतन और बोनस अंकों की व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई है। कर्मचारियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में प्लेसमेंट एजेंसियों की भूमिका बढ़ने से संविदाकर्मियों को असुरक्षा, कम मानदेय और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी प्रतिनिधि भूपेश डांगी ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर और नर्सिंगकर्मी नियमित कर्मचारियों के समान कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अपेक्षित वेतन और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने ठेका प्रथा समाप्त कर सीधी भर्ती व्यवस्था लागू करने तथा वर्तमान संविदाकर्मियों को प्राथमिकता देने की मांग की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी पहल से साकार होगा ऐतिहासिक पर्यटन प्रोजेक्ट, डीपीआर अनुमोदित, वित्तीय स्वीकृति भी जारी

महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट : मेवाड़ की वीरता स्वाभिमान और गौरव को मिलेगी वैश्विक पहचान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। राजस्थान की गौरवशाली धरती वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की अमर गाथाओं से ओतप्रोत रही है। इन्हीं गौरवशाली परंपराओं के महानायक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास में अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में सदैव स्मरण किए जाते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभर रही है।यह परियोजना महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष, पराक्रम और बलिदान से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ने का कार्य करेगी। सर्किट के माध्यम से देश-विदेश के पर्यटक महाराणा प्रताप के अद्वितीय जीवन और मेवाड़ की शौर्यगाथाओं को निकट से जान सकेंगे।

जल्द धरातल पर उतरेगी परियोजना

राज्य सरकार ने इस परियोजना को अधिक प्रभावी, प्रासंगिक और भावी पीढ़ियों के लिए उपयोगी बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्य किया है। प्रस्तावित टूरिज्म सर्किट में शामिल स्थलों, उनसे जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों, विशेषज्ञों के सुझावों तथा जनभावनाओं का गहन अध्ययन किया गया। राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण के माध्यम से परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई, जिसे अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। लगभग 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है।

विरासत संरक्षण और पर्यटन विकास का अनूठा संगम

महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत हल्दीघाटी, दिवेर, गोगुंदा, चावंड सहित महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों का समग्र विकास किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक पर्यटन सुविधाओं और आकर्षणों से जोड़ना भी है।

सर्किट विकसित होने के बाद पर्यटकों को महाराणा प्रताप के संघर्ष, सैन्य रणनीतियों, मेवाड़ की ऐतिहासिक विरासत तथा उस कालखंड की गौरवशाली घटनाओं को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोक संस्कृति, लोककलाओं, पारंपरिक जीवनशैली और मेवाड़ी विरासत को भी नया मंच प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय स्तर की एजेंसी करेगी विकास कार्य

राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि परियोजना को विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की अनुभवी एवं प्रतिष्ठित एजेंसी के माध्यम से कार्य कराने की प्रक्रिया जारी है। इससे परियोजना के डिजाइन, प्रस्तुतीकरण, विरासत संरक्षण और पर्यटन सुविधाओं के विकास में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। आगामी एक-दो सप्ताह में इस संबंध में अंतिम निर्णय होने की संभावना है, जिसके बाद परियोजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ेगी।

स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट के विकसित होने से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नया विस्तार मिलेगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। होटल उद्योग, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प, पर्यटन गाइड, लोक कलाकारों तथा पर्यटन से जुड़े अन्य क्षेत्रों को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी।

पर्यटन विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में पर्यटन को आर्थिक विकास का सशक्त आधार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी पहल पर धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट इसी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जो आने वाले समय में मेवाड़ की ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह परियोजना न केवल वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के अद्वितीय योगदान और उनके जीवन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी, बल्कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और पर्यटन क्षमता को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

राजस्थान इंटेलिजेंस की बड़ी कार्रवाई : जैसलमेर से आईएसआई एजेंट गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर/जैसलमेर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी गतिविधियों में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी जैसलमेर जिले का निवासी है और उस पर भारतीय सेना एवं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचाने का आरोप है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों द्वारा राजस्थान में संचालित की जा रही जासूसी गतिविधियों पर सीआईडी इंटेलिजेंस लगातार निगरानी रखे हुए है। इसी दौरान सूचना मिली कि जैसलमेर जिले के निवासी 26 वर्षीय मुस्ताक अली पुत्र बशीर खां संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है और पाकिस्तान स्थित खुफिया एजेंसी के हैंडलर्स के संपर्क में है।

केंद्रीय पूछताछ केंद्र जयपुर में विभिन्न खुफिया एजेंसियों द्वारा मुस्ताक अली से संयुक्त पूछताछ की गई। पूछताछ एवं मोबाइल फोन से प्राप्त डाटा के विश्लेषण में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था। उसे भारत-पाक सीमा क्षेत्र में स्थित सैन्य ठिकानों के आसपास दुकान खोलकर बीएसएफ एवं सेना की गतिविधियों पर नजर रखने का कार्य सौंपा गया था।

जांच में सामने आया कि आरोपी सैन्य प्रतिष्ठानों से जुड़ी सूचनाएं एवं गतिविधियों का विवरण एकत्रित कर पाकिस्तानी एजेंसी को उपलब्ध कराता था। इसके अलावा वह राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी अपने हैंडलर्स के साथ साझा करता था।

प्रारंभिक जांच में आरोपी द्वारा देश की सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी तक पहुंचाना प्रमाणित पाए जाने पर राजस्थान इंटेलिजेंस ने उसके खिलाफ शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 के तहत मामला दर्ज कर 16 जून 2026 को गिरफ्तार कर लिया।

मामले में आगे की जांच जारी है तथा आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

12 जुलाई को होगा विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी प्रतिभाओं का होगा सम्मान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। विप्र फाउंडेशन जोन 1-ए के शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ की बैठक निंबार्क बी.एड. कॉलेज में आयोजित हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 जुलाई को विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

समारोह में आईएएस, आरएएस, आरजेएस, आरपीएस सहित विभिन्न सेवाओं में चयनित प्रतिभाओं, एमबीबीएस, सीए, सीएस, खेल प्रतिभाओं तथा 10वीं-12वीं बोर्ड एवं महाविद्यालय स्तर पर 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एच.आर. दवे ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान भावी पीढ़ी को प्रेरित करने का माध्यम है। कार्यक्रम में सफल अधिकारियों, चिकित्सकों और विशेषज्ञों द्वारा युवाओं को करियर मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

बैठक में प्रतिभाओं के पंजीयन हेतु शीघ्र गूगल फॉर्म जारी करने तथा आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक शिक्षाविद् एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

एम.आय.डी.सी थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

60.65 लाख रुपये के जेवर चोरी का झूठा मामला उजागर, कंपनी कर्मचारी सहित दो गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। एम.आय.डी.सी थाना पुलिस ने 60 लाख 65 हजार 656 रुपये मूल्य के जेवर चोरी होने का झूठा मामला उजागर करते हुए गोल्डस्टार कंपनी के एक कर्मचारी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी बताई गई पूरी संपत्ति बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार गोल्डस्टार ज्वेलरी कंपनी में कार्यरत अविनाश गंगाधर कदम (26) कंपनी के जेवरों की डिलीवरी के लिए निकला था। बाद में उसने दावा किया कि रास्ते में उसकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई और बेहोश होने के दौरान अज्ञात व्यक्ति जेवर लेकर फरार हो गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस को अविनाश के बयान पर संदेह हुआ। जांच में सामने आया कि दुर्घटना में उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई थी, फिर भी वह अस्पताल में भर्ती रहा। पुलिस ने सैकड़ों

सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें घटना से पहले एक संदिग्ध व्यक्ति क्षेत्र में कई बार घूमता दिखाई दिया। संदिग्ध की पहचान मनोज हनुमंत जोगदंड (41) के रूप में हुई। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद अविनाश कदम और मनोज जोगदंड को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई, जिसमें दोनों ने पूर्व नियोजित साजिश रचकर चोरी का झूठा मामला बनाने की बात स्वीकार कर ली। जांच में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी मित्र हैं और उन्होंने मिलकर कंपनी द्वारा डिलीवरी के लिए दिए गए जेवरों का गबन करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 60 लाख 65 हजार 656 रुपये मूल्य के सभी जेवर बरामद कर लिए हैं।

सीबीआई ने CREST फंड घोटाले में पहली चार्जशीट दाखिल की, 13 आरोपी नामजद

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

चंडीगढ़। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी साइंस एंड टेक्निकल प्रमोशन सोसायटी (CREST) से जुड़े 75.34 करोड़ रुपये के फंड गबन मामले में पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। सीबीआई ने मंगलवार को विशेष सीबीआई न्यायालय, चंडीगढ़ में यह चार्जशीट पेश की।

चार्जशीट में कुल 13 आरोपियों को नामजद किया गया है, जिनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पांच अधिकारी, उफ्फ्रळ (चंडीगढ़ यूटी प्रशासन) के दो लोक सेवक, दो शेल कंपनियां और चार निजी व्यक्ति शामिल हैं। सभी आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

सीबीआई के अनुसार मामले में आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी,

जालसाजी, साक्ष्य नष्ट करने तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आरोप लगाए गए हैं।

जांच में सामने आया कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारियों ने उफ्फ्रळ के कुछ अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर संस्था के बैंक खातों से 75.34 करोड़ रुपये की सरकारी राशि का गबन किया। बाद में इस राशि को विभिन्न निजी व्यक्तियों और संस्थाओं की मिलीभगत से अन्य खातों में स्थानांतरित किया गया, जिससे कई लोगों को अवैध लाभ पहुंचा।

सीबीआई ने बताया कि यह मामला उन तीन बड़े मामलों में से एक है, जिन्हें एजेंसी ने अपने हाथ में लिया था। इनमें हरियाणा सरकार के आठ विभागों से जुड़े मामलों के अलावा चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और उफ्फ्रळ चंडीगढ़ से संबंधित मामले शामिल हैं।

एजेंसी इससे पहले हरियाणा के मामले में 17 आरोपियों तथा चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी परियोजना मामले में सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। अब उफ्फ्रळ मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ पहली चार्जशीट दायर की गई है।

सीबीआई ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आगामी दिनों में पूरक चार्जशीट भी दाखिल की जाएंगी। एजेंसी ने भ्रष्टाचार और वित्तीय अपराधों के मामलों में निष्पक्ष एवं त्वरित जांच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

महाराणा प्रताप जयंती एवं हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतु:शती समारोह के लिए यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था जारी

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। महाराणा प्रताप जयंती-2026 एवं हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतु:शती समारोह के अवसर पर उदयपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर पुलिस प्रशासन ने विशेष यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था निर्धारित की है। यह व्यवस्था गांधी ग्राउंड में होने वाले मुख्य समारोह तथा महाराणा प्रताप स्मारक समिति, मोती मगरी से निकलने वाली शोभायात्रा के दौरान लागू रहेगी। पुलिस

के अनुसार चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूम्बर एवं डूंगरपुर जिलों से आने वाले वाहन प्रतापनगर चौराहे से होकर फतह स्कूल पार्किंग पहुंचेंगे। वहीं राजसमंद, भीलवाड़ा एवं अन्य जिलों से आने वाली बसों की पार्किंग फतहपुरा चौकी होते हुए विधा भवन एवं फील्ड क्लब पार्किंग में की जाएगी। इन पार्किंग स्थलों से गांधी ग्राउंड तक आने-जाने के लिए शटल सेवा भी उपलब्ध रहेगी। समारोह में भाग लेने वाले अतिथियों एवं आमजन के लिए विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। वीआईपी एवं वीवीआईपी वाहनों के लिए महिला परिषद स्कूल के बाहर, साधु-संतों के वाहनों के लिए महिला परिषद स्कूल परिसर तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए लवकुश स्टेडियम पेड पार्किंग सहित विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। आमजन के दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए नजर बाग से पंचवटी मार्ग, लोककला मंडल क्षेत्र, मधुवन रेजिडेंसी स्कूल के पास, पहाड़ी बस स्टैंड, पोस्ट ऑफिस रोड तथा अस्पताल रोड सहित विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नीलकंठ महादेव से यूआईटी सर्कल, नजर बाग, संभागीय आयुक्त कार्यालय होते हुए पहाड़ी बस स्टैंड तक सड़क पर कार्यक्रम समाप्ति तक सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी।

खबर संक्षेप

डॉ. मीनाक्षी राजपुरोहित मीनू को मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित

जोधपुर @ पदमावत मीडिया। साहित्य, संस्कृति और मंच संचालन के क्षेत्र में

उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. मीनाक्षी राजपुरोहित ह्यमीनूह्न को वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित भव्य समारोह में मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से उन्हें डॉक्टरेट इन लिटरेचर एंड एंकरिंग की मानद उपाधि प्रदान की गई। यह सम्मान साहित्यिक सृजन, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा एंकरिंग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और समाज के प्रति उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देते हुए प्रदान किया गया। डॉ. मीनाक्षी राजपुरोहित मीन की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि साहित्य, संस्कृति और मंच संचालन के क्षेत्र से जुड़ी प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है। सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. मीनाक्षी राजपुरोहित मीनू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार, शुभचिंतकों, सहयोगियों तथा उन सभी लोगों को दिया जिन्होंने उनके सफर में निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। समारोह में उपस्थित विभिन्न सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने डॉ. मीनाक्षी राजपुरोहित ह्यमीनूह्न को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उनके योगदान की सराहना की।

विक्रम-वेताल ने समझाए सड़क सुरक्षा के नियम, नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

जयपुर @ पदमावत मीडिया। सड़क सुरक्षा एवं परिवहन विभाग और प्रादेशिक परिवहन अधिकारी जयपुर द्वितीय के सहयोग से रस रंग मंच संस्था द्वारा शास्त्री नगर स्थित कांवटिया सर्किल पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लघु नाटक ह्यफर्क तो पड़ता है भईह्न का मंचन कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। नाटक में विक्रम-वेताल की रोचक कथा के माध्यम से यातायात नियमों के पालन और उल्लंघन के परिणामों को दशार्या गया। कलाकारों ने हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा और यातायात संकेतों की पालना का संदेश मनोरंजक अंदाज में दिया। वरिष्ठ परिवहन निरीक्षक दिनेश सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और इससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। नाटक में रति महर्षि, के.के. कोहली, अजीत माथुर, मुकेश वर्मा, महेश महावर और हिमांशु झाकल ने अभिनय किया। हिमांशु झाकल ने ही नाटक का लेखन एवं निर्देशन किया। उल्लेखनीय है कि इस लोकप्रिय नाटक की यह 98वीं प्रस्तुति रही।

21 जून को होगी RE-NEET (UG) 2026 परीक्षा, प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित RE-NEET (UG) 2026 परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक जयपुर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा गोपनीय सामग्री के सुरक्षित वितरण की व्यवस्था की गई है। पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रत्येक केंद्र पर मेडिकल स्टाफ, फर्स्ट एड, ओआरएस एवं आवश्यकतानुसार एम्बुलेंस उपलब्ध रहेगी।

अभ्यर्थियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए रोडवेज, रेलवे, जेसीटीएसएल और जयपुर मेट्रो को विशेष निर्देश दिए गए हैं। वहीं, परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए सिटी को-ऑर्डिनेटर द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

जिला प्रशासन ने सभी विभागों को एनटीए के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी संचालन के निर्देश दिए हैं।

मातृभूमि प्रेम, त्याग, स्वाभिमान और शौर्य के अमर प्रतीक थे महाराणा प्रताप

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

शरद केवलिया
सचिव, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

भारतीय इतिहास में कुछ ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। मेवाड़ के वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ऐसे ही अमर नायकों में से एक हैं। उनका जीवन अदम्य साहस, स्वाभिमान, त्याग, मातृभूमि प्रेम और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की अनुपम गाथा है। महाराणा प्रताप का नाम भारतीय इतिहास में वीरता और आत्मसम्मान के पर्याय के रूप में प्रतिष्ठित है। उनका जीवन-संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उनके समय में था। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को कुंभलगढ़ में हुआ था। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय तथा माता जयवंती बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में नेतृत्व क्षमता, पराक्रम और स्वाभिमान के गुण विद्यमान थे। वे शस्त्र और शास्त्र दोनों में पारंगत थे तथा अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानते थे। सन् 1572 में मेवाड़ की गद्दी संभालने के बाद उनके समक्ष सबसे बड़ी चुनौती मुगल सम्राट अकबर की विस्तारवादी नीति थी। उस समय अधिकांश राजाओं ने मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर ली थी, किंतु महाराणा प्रताप ने किसी भी परिस्थिति में अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि मेवाड़ की स्वतंत्रता किसी भी मूल्य पर अक्षुण्ण रखी जाएगी।

हल्दीघाटी युद्ध : अदम्य साहस और स्वाभिमान की मिसाल

महाराणा प्रताप के जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण घटना 18 जून 1576 को लड़ा गया हल्दीघाटी का युद्ध है। कर्नल जेम्स टॉड ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक एनाल्स एंड एंटीक्यूटीज ऑफ राजस्थान में लिखा था कि हल्दीघाटी के विराट पहाड़ी प्रदेश में ऐसा कोई स्थान नहीं है, जो प्रताप की वीरता के गौरव से दमक नहीं रहा हो। उन्होंने हल्दीघाटी को मेवाड़ की थमोपीली और दिवेर को मेवाड़ का मैराथन बताया।

इस युद्ध में महाराणा प्रताप ने सीमित संसाधनों और अल्प सेना के बावजूद अद्वितीय वीरता, रणकौशल और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। यद्यपि यह युद्ध निर्णायक नहीं रहा, लेकिन प्रताप का संघर्ष और साहस इतिहास में अमर हो गया। उनके प्रिय अश्व चेतक की स्वामिभक्ति और वीरता आज भी लोककथाओं और जनमानस में जीवित है।

युद्ध के बाद भी महाराणा प्रताप ने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। अरावली के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में रहकर उन्होंने मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए निरंतर अभियान जारी रखा। अनेक कठिनाइयों, अभावों और कष्टों के बावजूद उन्होंने कभी पराधीनता स्वीकार नहीं की। छापामार युद्ध नीति अपनाकर उन्होंने मुगल सेना को लगातार चुनौती दी और मेवाड़ के अधिकांश क्षेत्रों पर पुनः अधिकार स्थापित किया। उनका जीवन अदम्य आत्मबल, दृढ़ संकल्प और त्याग का अनुपम उदाहरण है। 19 जनवरी 1597 को चावंड में उनका निधन हुआ, किंतु उनका यश अमर हो गया।

महाकवियों की रचनाओं में अमर हैं महाराणा प्रताप

महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व और कृतित्व ने अनेक साहित्यकारों को प्रभावित किया। **डिंगल कवि दुरसा आढ़ा ने उनकी वीरता का गुणगान करते हुए लिखा–**

अकबर समंद अथाह, तिहं डूबा हिंदू तुरक
मेवाड़ो तिण मांय, पोयण फूल प्रतापसी।
जिणरो जस जग मांहि, जिणरो जग धिन जीवणो
लेणो अपजस नांहि, पणधर धिनो प्रतापसी।

महाकवि पृथ्वीराज राठौड़ ने लिखा–

हिन्दूपति परताप, पत राखी हिंदवाण री
सहे विपति संताप, सत्य सपथ करि आपणी।
माई अहड़ा पूत जण, जहड़ा राण प्रताप
अकबर सूतौ औझकै, जाण सिराणै साप।

महाकवि कन्हैयालाल सेठिया ने अपनी अमर कृति पातळ अर पीथळ में लिखा–

हूं लड़्यो घणो हूं सह्यो घणो, मेवाड़ी मान बचावण नै
हूं पाछ नहीं राखी रण में, बैर्यां रो खून बहावण नै।
जद याद करूं हळदीघाटी, नैणां में रगत उतर आवै
सुख दुख रो साथी चेतकड़ो, सूती-सी हूक जगा ज्यावै।
जद राणा रो संदेश गयो, पीथळ री छाती दूणी ही
हिंदवाणो सूरज चमकै हो, अकबर री दुनियां सूनी ही।

जनहितैषी शासक और कुशल प्रशासक

महाराणा प्रताप केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि जनहितैषी शासक और कुशल प्रशासक भी थे। उन्होंने मेवाड़ में पुनर्निर्माण, कृषि विकास, जनकल्याण और सुरक्षा को प्राथमिकता दी। प्रजा के प्रति उनकी संवेदनशीलता और न्यायप्रियता उन्हें आदर्श शासकों की श्रेणी में स्थापित करती है। उन्होंने कला, साहित्य और संस्कृति को संरक्षण दिया तथा वनवासी भीलों को संगठित कर उन्हें सेना का महत्वपूर्ण अंग बनाया। सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया और आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने यह सिद्ध किया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि मनुष्य के भीतर आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो वह किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है। आज महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उनका संघर्ष हमें अपनी संस्कृति, स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश देता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि स्वाधीनता और स्वाभिमान किसी भी राष्ट्र और समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर देशहित और समाजहित में कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पवन जैन पदमावत ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। पदमावत मीडिया के प्रधान सम्पादक एवं एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल कमेटी के मीडिया सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष **पवन जैन पदमावत** ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 486वीं जयंती के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में **पवन जैन पदमावत** ने कहा कि महाराणा प्रताप जी भारतीय इतिहास के ऐसे महान योद्धा थे, जिन्होंने मातृभूमि, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

महाराणा प्रताप जी के आदर्श आज भी राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और त्याग की प्रेरणा देते हैं : पवन जैन पदमावत

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जी ने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी अपने सिद्धांतों और स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। उनका जीवन हमें सत्य, साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की सीख देता है। आज के युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

पवन जैन पदमावत ने कहा कि महाराणा प्रताप जी केवल मेवाड़ के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत के गौरव हैं। उनका जीवन त्याग, पराक्रम और आत्मसम्मान की अमर गाथा है, जो सदियों तक देशवासियों का मार्गदर्शन करती रहेगी।

उन्होंने महाराणा प्रताप जी जयंती के अवसर पर सभी देशवासियों से उनके आदर्शों को आत्मसात करने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

सहेलियों की बाड़ी में योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास, उमड़ा उत्साह

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के तहत 50 दिवसीय योग काउंटडाउन कार्यक्रम में मंगलवार को सहेलियों की बाड़ी में सामूहिक योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों, योग साधकों, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहायक निदेशक डॉ. भानु कुमार जैन ने बताया कि जिलेभर में नियमित योग पूर्वाभ्यास आयोजित कर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा रहा है। योग समन्वयक वैद्य डॉ. शोभालाल औदीच्य ने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की संपूर्ण पद्धति बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में डॉ. शुभा सुराणा ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया, जबकि डॉ. संजय माहेश्वरी ने विभिन्न योग क्रियाओं के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं योग साधकों ने भी सहभागिता की।

वैद्य औदीच्य ने बताया कि अगला योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास 17 जून को प्रातः गुलाब बाग स्थित गांधी मूर्ति के समक्ष आयोजित होगा।

ग्रीन कैंपस की दिशा में बड़ा कदम, ग्रीन पीपल सोसायटी और सुखाड़िया विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे हरित विकास

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय और ग्रीन पीपल सोसायटी (जीपीएस) ने महत्वपूर्ण पहल की है। दक्षिण राजस्थान में पक्षी संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय ग्रीन पीपल सोसायटी के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. के.सी. डागा से मुलाकात कर विश्वविद्यालय परिसर को और अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में ग्रीन पीपल सोसायटी ने विश्वविद्यालय परिसर में विशेष पौधारोपण अभियान संचालित करने का प्रस्ताव रखा। इसके तहत पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल पौधों का रोपण किया जाएगा। सोसायटी ने इस

अभियान में पूर्ण सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। सोसायटी ने विश्वविद्यालय परिसर में दीर्घकालिक हरित विकास योजना का खाका भी प्रस्तुत किया। प्रस्ताव के अनुसार आगामी तीन से पांच वर्षों में विश्वविद्यालय परिसर के उपयुक्त क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर कार्बन क्रेडिट सृजन की परियोजना विकसित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी योगदान देना है।

कुलगुरु प्रो. के.सी. डागा ने विश्वविद्यालय की अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक पर्यावरणीय योजनाओं में ग्रीन पीपल सोसायटी की भागीदारी का स्वागत करते हुए इसे एक सकारात्मक और दूरदर्शी पहल बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों और भूमि खंडों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां बड़े स्तर पर पौधारोपण एवं हरित विकास कार्य किए जा सकें।

बैठक में ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह तथा प्रो. शरद श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव वी.सी. गर्ग भी मौजूद थे।

बैठक के दौरान दोनों संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास, जैव विविधता संवर्धन तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह पहल उदयपुर में एक आदर्श ग्रीन कैंपस मॉडल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जो आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नई मिसाल स्थापित कर सकती है।

झाब जैन परिषद की बॉलिंग टूनार्मेंट में 56 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल/मुंबई। झाब जैन परिषद, मुंबई के तत्वावधान में आयोजित बॉलिंग टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला स्मैश, लोअर परेल में खेला गया। प्रतियोगिता में झाब नगर की 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें देवोगम टीम विजेता तथा स्टीलमेट सुपर स्ट्राइकर्स उपविजेता रही।

मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि टूनार्मेंट में कुल 56 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में भंडारी एलिट्स, देवोगम, केयूजे सुपरकिंग्स, मार्क सुपर राइडर्स, पारस सुपर स्ट्राइकर्स, रिविनॉक्स किंगपिंस, स्टीलमेट सुपर स्ट्राइकर्स और टिस्कोट टाइटंस टीमों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में परिषद के संस्थापक अध्यक्ष खीमराज जैन, अध्यक्ष नरेश भंडारी, निवर्तमान अध्यक्ष अरविंद मुनोत, भूतपूर्व अध्यक्ष अशोक भंडारी, सुरेश जैन, जितेंद्र वीरवाड़िया, कार्यकारी उपाध्यक्ष संजय जैन,

उपाध्यक्ष उत्तम जैन एवं विक्रम मुनोत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्थापक अध्यक्ष खीमराज जैन ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल जीत-हार का नहीं, बल्कि खेल भावना, अनुशासन और भाईचारे का उत्सव है। वहीं अध्यक्ष नरेश भंडारी ने बताया कि युवाओं को एक मंच पर जोड़ने और खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से टूनार्मेंट का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सचिव रमेश वेदमुथा ने सभी खिलाड़ियों, प्रायोजकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण सेवा शिविर में वृद्ध मां-बेटे को मिली राहत, वर्षों पुरानी राजस्व समस्या का समाधान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद। ग्राम पंचायत कुंठवा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 एक वृद्ध मां और उसके बेटे के लिए राहत का माध्यम बना। 76 वर्षीय रामूबाई एवं उनके पुत्र ओमप्रकाश की वर्षों पुरानी राजस्व रिकॉर्ड संबंधी समस्या का शिविर में ही समाधान कर दिया गया। पूर्वजों की भूमि होने के बावजूद राजस्व अभिलेखों में नाम अशुद्ध दर्ज होने से दोनों को सरकारी योजनाओं और अन्य सुविधाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही थी।

शिविर में समस्या प्रस्तुत करने पर उपखंड अधिकारी नाथद्वारा भागीरथ सिंह के निर्देशन में राजस्व टीम ने रिकॉर्ड की जांच कर आवश्यक कार्रवाई पूरी की और मौके पर ही आदेश जारी कर दिए।वर्षों से लंबित समस्या का गांव में ही

समाधान होने पर रामूबाई और उनके पुत्र ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच साबित हो रहे हैं।

मोदी नेतृत्व में भारत बना आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र : मदन राठौड़

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि भारत आज विकसित, आत्मनिर्भर और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में विश्व मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने आर्थिक, सामाजिक, सामरिक और तकनीकी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन के बाद ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान मदन राठौड़ ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ मातृ सम्मान का भी प्रतीक है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनके सुझाव भी प्राप्त किए। भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष का प्रवास कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और संगठनात्मक मजबूती का संचार करने वाला रहा। कार्यक्रम में राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायकगण, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

जयपुर @ पदमावत मीडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती (ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया, 17 जून)

के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि महाराणा प्रताप महान योद्धा, परम स्वाभिमानी और स्वतंत्रता प्रेमी थे। उन्होंने सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलते हुए मातृभूमि की रक्षा तथा आत्मगौरव के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन आज भी देशवासियों को स्वाभिमान, साहस और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श और त्याग की भावना वर्तमान पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है। उनका संघर्ष और समर्पण हमें राष्ट्र की संप्रभुता एवं गौरव की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की सीख देता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्रसेवा का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही देश और प्रदेश को प्रगति एवं विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

कोटा में ट्रक से 30 लाख रुपये की अवैध शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

कोटा @ पदमावत मीडिया। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के

तहत आबकारी निरोधक दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से करीब 30 लाख रुपये मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। मुखबिर की सूचना पर की गई नाकाबंदी के दौरान ट्रक की तलाशी में 995 पेटियों में भरी 47,760 बोतलें ग्रांड पार्टी प्रीमियम वोडका (180 एमएल) बरामद हुईं, जिन पर फॉर सेल इन चंडीगढ़ ओनलीअंकित था। कार्रवाई के दौरान ट्रक चालक संदीप कुमार निवासी हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई अतिरिक्त आबकारी आयुक्त कोटा नरेश कुमार मालव, जिला आबकारी अधिकारी सरिता तथा आबकारी विभाग की संयुक्त टीम के निर्देशन में की गई। मामले में आगे की जांच जारी है।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का एंटी रोमियो अभियान जारी

जोधपुर @ पदमावत मीडिया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जोधपुर पश्चिम पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट

द्वारा साप्ताहिक एंटी रोमियो अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त शरत कविराज और पुलिस उपायुक्त कमल शेखावत के निर्देश पर संचालित अभियान के दौरान सरदारपुरा स्थित फिजिक्स वाला कोचिंग संस्थान में 90 छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा नए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही राजकॉप सिटीजन एप के उपयोग के बारे में भी बताया गया। गश्त के दौरान शराब के नशे में उत्पात मचा रहे दो व्यक्तियों को हिरासत में लेकर थाना पुलिस को सौंपा गया। पुलिस ने महिला हेल्पलाइन 1090, साइबर हेल्पलाइन 1930 और आपातकालीन नंबर 112/100 का जरूरत पड़ने पर उपयोग करने की अपील की है।

हजरत इमाम हुसैन (अ.) की याद में 10 दिवसीय मजलिसें आज से

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। शहीदे आजम हजरत इमाम हुसैन (अ.) की याद में 10 दिवसीय रोजा मजलिसों का आयोजन 17 जून से 26 जून 2026 तक अजन्ता होटल गली स्थित शिया जामा मस्जिद एवं इमामबाड़ा में किया जाएगा। शिया जामा मस्जिद के प्रवक्ता सैयद मजहर रिजवी ने बताया कि मजलिसों में प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) से पधारे हुज्जतुल इस्लाम मौलाना डॉ. सैयद मेराज महेंदी साहब तकरीर करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन जनाब इमरोज मिर्जा के नेतृत्व में होगा।

प्रदेश नेतृत्व में बढ़ा युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व

नरेश सोनी बने प्रदेश उपाध्यक्ष, पुष्कर सोनी को सौंपी गई प्रदेश संगठन मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : ईश्वर लाल सुथार

सलूम्बर । राजस्थान प्रदेश श्री मेढ़ क्षत्रिय युवा मोर्चा स्वर्णकार समाज की प्रदेश कार्यसमिति एवं कार्यकर्ता संवाद बैठक में युवा नेतृत्व को नई पहचान देते हुए महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की गई। तीर्थराज पुष्कर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में समाजसेवी नरेश सोनी को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा युवा कार्यकर्ता पुष्कर सोनी को प्रदेश संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। दोनों युवाओं को प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी मिलने पर समाजजनों में हर्ष और उत्साह का माहौल है।

प्रदेश नेतृत्व द्वारा दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का उपरणा ओढ़ाकर एवं सम्मान स्वरूप अभिनंदन किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने दोनों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की अपेक्षा व्यक्त की।

प्रदेश कार्यसमिति एवं कार्यकर्ता संवाद बैठक में राजस्थान के 35 जिलों से बड़ी संख्या में युवा प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं समाजजन शामिल हुए। बैठक में संगठन विस्तार, समाज सेवा, शिक्षा, संस्कार, सामाजिक एकता, युवा नेतृत्व विकास एवं समाज के सर्वांगीण उत्थान जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न जिलों से आए युवाओं ने अपने सुझाव रखते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

प्रदेशाध्यक्ष योगेश सोनी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य युवाओं को नेतृत्व प्रदान कर समाज निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नरेश सोनी एवं पुष्कर सोनी जैसे समर्पित कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना संगठन की युवा शक्ति पर विश्वास का प्रतीक है।

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश सोनी ने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर व्यक्त किया है, उसके अनुरूप वे समाज और संगठन के हित में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने समाज की एकता, युवा जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देने की बात कही। प्रदेश संगठन मंत्री पुष्कर सोनी ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य किया जाएगा। युवाओं को समाज सेवा, शिक्षा एवं संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़कर नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश स्वर्णकार समाज के महामंत्री बजरंगलाल झींगा ने कहा कि यह बैठक संगठन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगी। युवाओं की ऊर्जा और सहभागिता संगठन को नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने सफल आयोजन के लिए प्रदेशाध्यक्ष योगेश सोनी एवं प्रदेश महामंत्री पुष्पेंद्र सोनी की सराहना की।

बैठक में प्रदेश महामंत्री पुष्पेंद्र सोनी, अजमेर देहात जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, जिला प्रभारी जितेंद्र सोनी, प्रदेश कोषाध्यक्ष राहुल सोनी सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर संगठन की मजबूती, समाज के उत्थान और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

नरेश सोनी और पुष्कर सोनी को प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने को समाज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। समाजजनों ने विश्वास जताया कि दोनों पदाधिकारी अपने अनुभव, सक्रियता और समर्पण से संगठन को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तेलंगाना एसीबी की बड़ी कार्रवाई: सर्वे एवं भूमि अभिलेख विभाग के उप निदेशक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

हैदराबाद। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सर्वे एवं भूमि अभिलेख विभाग के मल्टी जोन-2 के उप निदेशक सुंकारी नरहरी राव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। एसीबी का आरोप है कि अधिकारी ने सेवा काल के दौरान भ्रष्ट आचरण और संदिग्ध तरीकों से अपनी ज्ञात आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज करने के बाद 16 जून 2026 को एसीबी ने अधिकारी के

आवास सहित रिश्तेदारों, बेनामी व्यक्तियों और सहयोगियों से जुड़े कुल 10 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान रंगा रेड्डी जिले में पांच खुले भूखंड, महेश्वरम में 1.24 एकड़ कृषि भूमि, पुप्पलगुड़ा में 2500 वर्ग फुट का एक फ्लैट, नरसिंगी में 1860-1860 वर्ग फुट के दो फ्लैट तथा राजेंद्र नगर में 1377 वर्ग फुट का एक फ्लैट होने के दस्तावेज मिले। इसके अलावा गाचीबौली स्थित टीएनजीओ कॉलोनी में एक जी+3 भवन और छत्रीनाका क्षेत्र में एक जी+2 आवासीय भवन का भी पता चला है।

एसीबी को तलाशी के दौरान करीब 1.54 करोड़ रुपये नकद, 2.29 करोड़ रुपये बैंक खातों में जमा राशि, 5.04 करोड़ रुपये की सावधि जमा (एफडी), लगभग 1.3 किलोग्राम सोने के आभूषण और 8 किलोग्राम चांदी भी मिली है। अधिकारी की पत्नी के नाम से दो लॉकरों का भी पता चला है, जिन्हें जांच के दौरान खोला जाएगा। इसके अलावा एक किआ कैरेंस स्मार्टस्ट्रीम कार भी बरामद की गई है। एसीबी के अनुसार तलाशी में अब तक सामने आई संपत्तियों का दस्तावेजी मूल्य 13 करोड़ 5 लाख 67 हजार 100 रुपये आंका गया है, जबकि बाजार मूल्य इससे कई गुना अधिक होने की संभावना है। अतिरिक्त संपत्तियों की जांच अभी जारी है।

मामले में आरोपी अधिकारी को विशेष न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी ने कहा है कि जांच जारी है और आगे और संपत्तियां सामने आने की संभावना है।

अपनों से अपनी बात कार्यक्रम सेवा महातीर्थ में शुरू

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। दीन-दुःखियों एवं दिव्यांगजनों की सेवा के लिए समर्पित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ, बड़ी परिसर में 16 से 20 जून तक पांच

दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम अपनों से अपनी बात का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 4:00 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। संस्थान द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांगजन, उनके परिजन, सेवाभावी सहयोगी तथा संस्थान से जुड़े कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजन परिवारों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करना, उनके अनुभवों को सुनना तथा सेवा कार्यों से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को साझा करना है। साथ ही प्रतिभागियों को अपने विचार, अनुभव एवं सुझाव रखने का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

सफलता की कहानी

पीलादर ग्राम पंचायत में गोता पटेल की पेंशन स्वीकृत, चेहरे पर लौटी मुस्कान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर । राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में पंचायत समिति जयसमंद की ग्राम पंचायत पीलादर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में एक बुजुर्ग लाभार्थी को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ प्रदान कर राहत पहुंचाई गई।

ग्राम पंचायत पीलादर निवासी गोता पिता अमरजी पटेल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से लाभान्वित होने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। शिविर में प्राप्त आवेदन का परीक्षण एवं आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद पात्रता पाए जाने पर उनका प्रकरण स्वीकृत किया गया तथा पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया गया। शिविर प्रभारी एवं पंचायत समिति जयसमंद के विकास अधिकारी दयाचंद यादव के निर्देशन में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं त्वरित रूप से संपन्न हुई। पेंशन स्वीकृत होने

पर लाभार्थी ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिविर के माध्यम से उन्हें बिना किसी परेशानी के समय पर लाभ प्राप्त हुआ। ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ उनके गांव में ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। साथ ही समय और धन की बचत होने के साथ-साथ समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित ग्रामीण सेवा शिविरों में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर जनकल्याण को नई गति प्रदान की जा रही है।

ग्रामीण सेवा शिविर में महिलाओं को किया जागरूक, महिला अधिकारों एवं योजनाओं की दी विस्तृत जानकारी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

गोगुन्दा। ग्राम पंचायत मोरवल में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर महिलाओं के लिए जागरूकता और मार्गदर्शन का प्रभावी मंच बना। जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जतन संस्थान द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना नाई की ओर से महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी संरक्षण तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की विधिक परामर्शदाता अनिता प्रजापत ने महिलाओं एवं ग्रामीणों को जागरूक करते हुए घरेलू हिंसा अधिनियम, सखी वन स्टॉप सेंटर, नारी निकेतन तथा महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र में आने वाले पारिवारिक विवादों में पति-पत्नी के बीच आपसी समझाइश एवं संवाद के माध्यम से विवादों का समाधान करने का प्रयास किया जाता है। आवश्यकता होने पर पीड़ित

महिलाओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के साथ न्यायालयीन प्रक्रिया में भी मार्गदर्शन दिया जाता है।

अनिता प्रजापत ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना समय की आवश्यकता है। जागरूक महिला न केवल स्वयं सशक्त बनती है, बल्कि परिवार और समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। उन्होंने महिलाओं से किसी भी प्रकार के अत्याचार, उत्पीड़न या भेदभाव की स्थिति में चुप नहीं रहने तथा कानूनी सहायता लेने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, विभिन्न सहायता योजनाओं तथा महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की पारिवारिक, सामाजिक या कानूनी समस्या होने पर महिलाएं बिना किसी संकोच के महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र से संपर्क कर सकती हैं।

शिविर के दौरान महिला अधिकारिता विभाग की साथीन दुर्गा कंवर ने महिलाओं को शिक्षा सेतु योजना की जानकारी देते हुए इसके उद्देश्यों एवं लाभों से अवगत कराया। वहीं साथीन पुष्पा कंवर ने कालीबाई भील महिला सम्बल उड़ान योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए महिलाओं को योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कार्मिक एवं पंचायत के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। महिलाओं ने योजनाओं एवं कानूनी अधिकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर संतोष व्यक्त किया।

ग्रामीण सेवा शिविर महिलाओं को जागरूक, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

---

51 लाख की शिक्षा सहायता की घोषणा, 350 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

विश्वकर्मा सुथार एकता फोर्स के राज्यस्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा, संगठन और सामाजिक एकता का दिखा संगम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : ईश्वरलाल सुथार

सांचौर/जालौर । श्री विश्वकर्मा सुथार एकता फोर्स के तत्वावधान में मंगलवार को सांचौर में संस्था का आठवां स्थापना दिवस एवं राज्यस्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में राजस्थान के विभिन्न जिलों से हजारों समाजबंधु, प्रतिभावान विद्यार्थी, शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं गणमान्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम ने समाज की एकता, शिक्षा, संस्कार और संगठनात्मक सशक्तिकरण का प्रभावशाली संदेश दिया।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं नरसी ग्रुप के सीएमडी भामाशाह नरसी कुलरिया ने समाज के प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए 51 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा कर सभी का दिल जीत लिया। उनकी इस घोषणा का उपस्थित समाजबंधुओं ने जोरदार तालियों के साथ स्वागत किया।

अपने संबोधन में नरसी कुलरिया ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षा, संगठन और संस्कारों से ही संभव है। उन्होंने युवाओं से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज समाज की नई पीढ़ी

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही है, जिन्हें प्रोत्साहित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से चयनित 350 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इनमें शिक्षा, खेल, प्रशासनिक सेवाओं, तकनीकी, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। डूंगरपुर जिले सहित वागड़ क्षेत्र की अनेक प्रतिभाओं को भी मंच पर सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह का एक विशेष आकर्षण उस समय रहा जब श्री विश्वकर्मा मेवाड़ा सुथार समाज वागड़ की ओर से नरसी कुलरिया को संत मावजी महाराज का पावन साम सागर ग्रंथ (चौपड़ा) भेंट किया गया। साथ ही उन्हें वागड़ के प्रसिद्ध तीर्थ बेणेश्वर धाम पधारने का निमंत्रण भी दिया गया। इस सम्मान को उन्होंने समाज की आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक

बताते हुए स्वीकार किया। संस्था के अध्यक्ष भोमराज सुथार ने स्थापना से लेकर अब तक की आठ वर्षों की गौरवशाली यात्रा का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संगठन की उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्था शिक्षा, संगठन और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है।

समारोह में शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, युवा नेतृत्व, सामाजिक एकता और समाज के समग्र विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने युवाओं से समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। मंच संचालन वागड़ के सकानी निवासी कवि धीरज सुथार ने प्रभावशाली ढंग से किया।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की कार्रवाई: महिला सुरक्षा अभियान के तहत 8 बदमाश डिटेन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। महिला सुरक्षा एवं सार्वजनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उदयपुर पुलिस की विशेष कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा सादा वेश में चलाए जा रहे डिकॉय ऑपरेशन के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 8 व्यक्तियों को अनुचित व्यवहार एवं सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करते पाए जाने पर डिटेन किया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निदेर्शानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा के निर्देशन में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। यूनिट की टीम सादा वेश में पार्कों, स्कूल-कॉलेजों के आसपास, बस स्टैंड, भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा महिलाओं और बालिकाओं के साथ छेड़छाड़, चेन स्नेचिंग अथवा अभद्रता की संभावना वाले स्थानों पर लगातार गश्त कर रही है।

कार्रवाई के दौरान गुलाब बाग, रामपुरा चौराहा, टाउन हॉल लिंक रोड, राडाजी बावजी मंदिर अंबामाता एवं सहेलियों की बाड़ी क्षेत्र में अनुचित व्यवहार करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वाले 8 व्यक्तियों को स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग से डिटेन किया गया। इनके खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा अब तक कुल 145 लोगों को अनुचित व्यवहार, शराब सेवन एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में सादा वेश में निगरानी और विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत 17 को उदयपुर में

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के मंत्री श्री गजेंद्रसिंह शेखावत बुधवार को उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। श्री शेखावत बुधवार सुबह 7.40 बजे विमान द्वारा महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे। वहां से सड़क मार्ग द्वारा सर्किट हाउस आएंगे। इसके पश्चात सुबह 9.30 बजे महाराणा भूपाल स्टेडियम- गांधी ग्राउण्ड पहुंच कर हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह में भाग लेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री चौधरी 17 को उदयपुर में

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी बुधवार को उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार श्री चैधरी सुबह 7.48 बजे रेलमार्ग से दिल्ली से उदयपुर आएंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री बुधवार को गांधी ग्राउंड में आयोजित हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह में भाग लेंगे। इसके पश्चात अपराह्न 3.15 बजे राजसमंद के लिए प्रस्थान करेंगे।

उपमुख्यमंत्री श्री बैरवा एवं प्रभारी मंत्री श्री मीणा उदयपुर में

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद बैरवा तथा उदयपुर के प्रभारी मंत्री श्री हेमन्त मीणा उदयपुर जिले के प्रवास पर हैं। श्री बैरवा तथा श्री मीणा बुधवार को महाराणा भूपाल स्टेडियम (गांधी ग्राउंड), में आयोजित हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह में भाग लेगे।

श्री लखावत मंगलवार को उदयपुर आएंगे

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत मंगलवार को उदयपुर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री लखावत सड़क मार्ग द्वारा सांय 7:30 बजे चित्तौड़गढ़ से उदयपुर पहुचेंगे। रात्रि विश्राम सर्किट हाउस उदयपुर में रहेगा। श्री लखावत अगले दिन बुधवार को प्रताप गौरव केन्द्र उदयपुर द्वारा महाराणा भूपाल स्टेडियम (गांधी ग्राउण्ड), में आयोजित हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह में भाग लेगे। तत्पश्चात वे दोपहर 2 बजे आसीन्द भीलवाडा के लिए प्रस्थान करेंगे।

नो फ्लाई जोन घोषित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। महाराणा प्रताप जयंती और हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर विशिष्ट क्षेत्रों को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया है। यह प्रतिबंधात्मक आदेश 16 जून 2026 को सायं 6 बजे से लागू होकर 17 जून 2026 को सायं 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। आदेश के अनुसार प्रताप गौरव केन्द्र और उसके आस-पास का क्षेत्र तथा महाराणा भूपाल स्टेडियम (गांधी ग्राउण्ड) और उसके आस-पास के क्षेत्र में किसी भी प्रकार के यूएवी, ड्रोन और हॉट एयर बैलून की उड़ान पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। आदेश का उल्लंघन या अवहेलना करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। शहर में आयोजित होने वाले महाराणा प्रताप जयंती एवं हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह के दौरान कानून और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने विशेष आदेश जारी कर कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। आदेश के अनुसार मावली उपखण्ड मजिस्ट्रेट रमेश सिरवी को महाराणा प्रताप डबोक एयरपोर्ट, बड़गांव एसडीएम मनसुखराम डामोर को प्रताप गौरव केन्द्र, उदयपुर, गिर्वा एसडीएम अवुला साईकृष्ण को गांधी ग्राउण्ड मंच के निकट, युडीए उपायुक्त रमेश चन्द्र बहेडिया को गांधी ग्राउण्ड में गुरू गोविंद सिंह स्कूल गेट के अंदर तथा युडीए उपायुक्त सुरेन्द्र बी. पाटीदार को गांधी ग्राउण्ड में पहाड़ी बस स्टैंड गेट के अंदर के क्षेत्र के लिए कार्यपालक मजिस्टेज्ट नियुक्त करते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (नगर) जितेंद्र ओझा से लगातार संपर्क में रहने और किसी भी महत्वपूर्ण घटना की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए हैं।

बैठक स्थगित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। आम जन के अभाव अभियोग प्राप्त कर उन पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही करने के सन्दर्भ में गुरुवार को प्रस्तावित जिला स्तरीय जनसुनवाई तथा सतर्कता समिति की बैठक स्थगित कर दी गई है। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं सतर्कता समिति, प्रभारी अधिकारी ने बताया किजन अभियोग निराकरण विभाग के शासन उप सचिव के आदेशानुसार 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक राज्य के समस्त जिलों में ग्रामीण सेवा शिविर-2026 एवं शहरी सेवा शिविर-2026 आयोजित किए जाने है।

हल्दीघाटी युद्ध की 450 वीं वर्षगांठ पर विशेष

आक्रान्ता मुगलों पर विजय का प्रतीक था हल्दीघाटी युद्ध

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

वासुदेव देवनानी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा

उदयपुर। हमारे यहां इतिहास लेखन में बहुत त्रुटियां हुई है। सच को झुठलाते हुए इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है। यह विडम्बना ही है कि आजादी के बाद पाठ्यक्रमों में भी भारत का इतिहास इसी का शिकार रहा। मैं शिक्षक रहा हूं और शोधार्थी भी। इसलिए जब इतिहास की गहराई में गया तो बहुत सी कड़वी सच्चाईयां पता चली। दरबारी इतिहासकारों ने जो लिखा, उसी आधार पर हमारे यहां विद्यालयों में ह्लअकबर महानह्ल पढ़ाया जाने लगा था। राजस्थान के शिक्षा मंत्री के रूप में जब काम करने का अवसर मिला तो मैने इसे बदलते हुए ह्लमहाराणा प्रताप महानह्ल पढ़ाने की शुरूआत की। पूरे तथ्यों के साथ इस बात को हमने अपनी पाठ्य पुस्तकों में प्रमाणित किया कि हल्दी घाटी का युद्ध और बाद में दिवेर के युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगलों को स्थाई रूप से मेवाड़ से खदेड़ दिया था।

महाराणा प्रताप की विजय पर जो लोग प्रश्न उठाते हैं, उन्हें इस बात को जानना चाहिए कि दरबारी इतिहासकारों ने ऐतिहासिक घटनाक्रमों की बजाय प्रशस्ति गान किया है। इसमें कपोल-कल्पनाएं करते हुए तत्कालीन शासक को प्रसन्न करने के लिए गाथाएं गढ़ ली गई है। यह ऐतिहासिक सत्य है कि अकबर इस बात को जानता था कि महाराणा प्रताप को सीधे लड़ाई में कभी हराया नहीं जा सकता है। दरबारी इतिहासकार भी इस बात को जानते हैं, इसलिए प्रताप की वीरता को उन्होंने अस्वीकार नहीं किया है। असली बात यह है कि अकबर चाहता था कि हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप को बंदी बना लिया जाए और फिर मार दिया जाए ताकि पूरे हिन्दुस्तान में उसके विरोध के एकमात्र कारण को ही समाप्त कर दिया जाए। इसलिए उसने आमेर के राजा मानसिंह को सेनापति चुना और हल्दीघाटी युद्ध में प्रताप को बंदी बनाने भेजा। मुगलों की भारी-भरकम सेना के आगे महाराणा प्रताप की सेना बहुत ही कम थी, पर फिर भी महाराणा प्रताप ने अदम्य वीरता का परिचय देते हुए हल्दीघाटी का युद्ध जीता।

इतिहास की घटनाओं पर गौर करें, तो हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 को हुआ। अकबर की ओर से मुगल सेना का नेतृत्व आमेर के राजा मान सिंह (प्रथम) ने किया। महाराणा प्रताप स्वयं अपने भाई शक्ति सिंह, हकीम खान सूरी आदि के साथ युद्ध में डटे हुए थे। मुगलों की सेना लगभग एक लाख के करीब थी जबकि महाराणा प्रताप के पास मात्र बीस हजार से पच्चीस हजार सैनिक थे। महाराणा जानते थे कि युद्ध में इस बहुत कम सेना से मुगलों को हराना आसान नहीं है, इसलिए उन्होंने छापामार युद्ध और कूटनीति का सहारा लिया। हल्दीघाटी की संकरी घाटियों में उन्होंने मुगलों को घेरने और भ्रमित करने के साथ डराकर छुपकर हमले किए। महाराणा की बड़ी शक्ति तब उनके साथी भील योद्धा थे। यह वह योद्धा थे जो पेड़ों और दुर्गम घाटियों, चट्टानों और पहाड़ियों में छुपकर वार करने में माहिर थे। उनके सहयोग से महाराणा प्रताप ने मुगलों की बड़ी सेना को घेर कर हमले किए। मुगल सेना थोड़े समय में ही उखड़ गई। पूरा हल्दीघाटी का मैदान रक्त से भर गया। एक तरह से रक्त की नदी बहने लगी थी। इसी कारण हल्दी घाटी को आज भी रक्ततलाई कहा जाता है।

हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक ने भी बहुत निर्णायक भूमिका निभाई। चेतक की भूमिका साहसिक, वफादारी से भरी और ऐतिहासिक थी। इतिहास के कुछ कथानकों में यह भी मिलता है कि युद्ध में चेतक के चेहरे पर हाथी का मुखौटा लगाया गया था, ताकि मुगल सेना के हाथियों को भ्रमित किया जा सके। युद्ध में एक अवसर वह भी आया जब चेतक ने अदम्य साहस दिखाते हुए मुगल सेनापति राजा मानसिंह के हाथी की सूंड पर अपने आगे के दोनों पैर रख दिए थे ताकि महाराणा प्रताप मानसिंह पर सीधा वार कर सकें। इस दौरान मानसिंह के हाथी की सूंड में बंधी तलवार से चेतक का एक पैर बुरी तरह कट गया था। महाराणा प्रताप ने मानसिंह पर पूरी ताकत से वार किया परन्तु शरीर पर कवच होने के कारण मानसिंह बच गया। लड़ाई में चेतक बुरी तरह से घायल हो गया। तीन पैरों पर गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, चेतक ने स्वामीभक्ति का परिचय देते हुए अपने स्वामी को सुरक्षित रखा और अपने प्राण त्याग दिए। महाराणा प्रताप की सेना के आक्रमण का वेग इतना तीव्र था कि मुगल सैनिक जान बचाकर बनास के दूसरे किनारे 10-15 किलोमीटर दूर तक भाग खड़े हुए। बहुत सुनियोजित तरीके से बाद में विजयादशमी को दिवेर में मुगल सेना पर महाराणा प्रताप ने निर्णायक आक्रमण किया और मेवाड़ से स्थाई रूप से मुगलों को खदेड़ दिया। इस युद्ध में अमर सिंह ने मुगल सेनापति पर भाले से इतना जोरदार प्रहार किया कि उसे भेदते हुए भाला जमीन में धंस गया। दिवेर युद्ध में छत्तीस हजार की मुगल सेना ने महाराणा प्रताप और अमर सिंह के आगे आत्मसमर्पण कर दिया।

यह ऐतिहासिक तथ्य है। इससे भी यह प्रमाणित होता है कि युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने विजय के प्रतीक के रूप में एक साल तक ताम्रपत्रों के माध्यम से दान और भूमि का वितरण किया। यह कोई स्वतंत्र राजा ही तब कर सकता था। यह भी इतिहास की कुछ पुस्तकों में मिल जाएगा कि अपनी विशाल सेना के बावजूद महाराणा प्रताप को जब अधीन करने में अकबर असमर्थ रहा तो वह अपने सेनापतियों से बहुत नाराज हुआ था। उसने क्रोधित होकर अपने सेनापतियों, जिसमें राजा मानसिंह और आसफ खान प्रमुख थे,इन्हें अपने दरबार में आने से रोक दिया था। हल्दीघाटी का युद्ध निर्णायक था। इसी युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगलों को यह अहसास करा दिया था कि वह उन्हें कभी अधीन नहीं कर सकते। एक भय उन्होंने मुगल सैनिकों में इसी युद्ध से पैदा किया कि महाराणा से युद्ध करने का अर्थ है, अपना रक्त बहाना। मैं यह मानता हूं कि हल्दीघाटी का युद्ध राजस्थान ही नहीं भारतीय इतिहास की अपूर्व गौरवगाथा है। महाराणा प्रताप ने हल्दीघाटी के युद्ध में अपने अदम्य साहस, वीरता और पराक्रम का ही प्रदर्शन नहीं किया बल्कि सूक्ष्म रणनीतिक सूझ से मेवाड़ की सदाकृसदा के लिए स्वाधीनता की राह प्रशस्त की थी।

इंटैक द्वारा पक्षी उद्यान बावड़ी में चला विशेष संरक्षण एवं सफाई अभियान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। उदयपुर की समृद्ध जल, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत के संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटैक) उदयपुर क्षेत्रीय अध्याय ने राजस्थान वन विभाग के सहयोग से आज प्रातः पक्षी उद्यान (बर्ड पार्क) स्थित ऐतिहासिक बावड़ी में विशेष सफाई एवं संरक्षण अभियान आयोजित किया। इस अभियान में 40 से अधिक स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धरोहर संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

अभियान में इंटैक के सदस्य गौरव एस. सिंघवी, रानू सिंघवी, प्रियंका वैष्णव, सतीश शर्मा, महीप भटनागर एवं मुनीष गोयल, राजस्थान वन विभाग के उप वन संरक्षक (डीसीएफ) यदवेन्द्र सिंह चूंडावत सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी, वर्व (स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइनिंग) के विद्यार्थी तथा ग्रीन पीपल सोसायटी के सदस्य शामिल रहे।

सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए बावड़ी परिसर एवं उसके आसपास उग आई अनावश्यक झाड़ियों, खरपतवार तथा ऐतिहासिक संरचना को नुकसान पहुँचाने वाली वनस्पतियों को सावधानीपूर्वक हटाया। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी वनस्पतियों की जड़ें समय के साथ पत्थर की चिनाई, दीवारों एवं मूल स्थापत्य संरचना के भीतर तक प्रवेश कर उन्हें कमजोर कर देती हैं, जिससे स्मारक के अस्तित्व एवं स्थायित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

बावड़ी में संरक्षण एवं सफाई कार्य पिछले एक सप्ताह से निरंतर जारी है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई स्थानों पर वृक्षों एवं अन्य वनस्पतियों की जड़ें दीवारों और पत्थरों की जोड़ाई के भीतर तक गहराई से पहुँच चुकी हैं। इन्हें हटाने का कार्य अत्यंत सावधानी तथा वैज्ञानिक पद्धति से किया जाना आवश्यक है, जिससे ऐतिहासिक संरचना को किसी प्रकार की क्षति न पहुँचे। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में चरणबद्ध तरीके से इन जड़ों एवं अवांछित वनस्पतियों को हटाया जाएगा तथा आगामी कुछ महीनों तक नियमित सफाई, निगरानी एवं संरक्षण कार्य जारी रखा जाएगा, ताकि पुनः दीवारों एवं संरचना पर हानिकारक वनस्पतियाँ विकसित न हो सकें।

यह अभियान केवल सफाई गतिविधि तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों में पारंपरिक जल संरचनाओं के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय महत्व के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उनके संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना भी था।

इस अवसर पर इंटैक उदयपुर क्षेत्रीय अध्याय के संयोजक गौरव एस. सिंघवी ने कहा कि उदयपुर की बावड़ियाँ केवल जल संचयन के साधन नहीं हैं, बल्कि वे हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता, पारंपरिक जल प्रबंधन ज्ञान एवं उत्कृष्ट स्थापत्य कौशल की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक जल संरचनाओं का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और इनके माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों एवं युवा स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सहभागिता के बिना धरोहर संरक्षण के प्रयास पूर्णतः सफल नहीं हो सकते।

वन विभाग के अधिकारियों ने भी इस संयुक्त पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत एक-दूसरे की पूरक हैं। ऐसे अभियान पर्यावरण संरक्षण और धरोहर संरक्षण के बीच सशक्त समन्वय स्थापित करते हैं तथा नागरिकों में अपनी विरासत के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को बावड़ियों के इतिहास, उनकी निर्माण तकनीकों, पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली में उनकी भूमिका तथा वर्तमान संरक्षण चुनौतियों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने भविष्य में भी ऐसे संरक्षण अभियानों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

संरक्षण कार्यों को दीर्घकालिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए एक समन्वय समिति का गठन भी किया गया है। समिति में इंटैक की ओर से गौरव एस. सिंघवी एवं सतीश शर्मा तथा राजस्थान वन विभाग की ओर से उप वन संरक्षक (डीसीएफ) यदवेन्द्र सिंह चूंडावत के नेतृत्व में संबंधित अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हैं। यह समिति संरक्षण कार्यों की नियमित समीक्षा करेगी तथा वैज्ञानिक एवं टिकाऊ संरक्षण उपायों के माध्यम से बावड़ी के पुनर्जीवन एवं संरक्षण अभियान को निरंतर आगे बढ़ाएगी।

यह अभियान उदयपुर की अमूल्य जल धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ है। इंटैक एवं वन विभाग की यह संयुक्त पहल न केवल एक ऐतिहासिक संरचना के संरक्षण का प्रयास है, बल्कि समाज में अपनी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के प्रति जागरूकता, उत्तरदायित्व एवं सहभागिता की भावना को भी सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

युवाओं एवं वृद्धजनों का हुआ संवाद

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेर्शानुसार 16 से 21 जून 2026 के मध्य युवाओं को वरिष्ठजनों के साथ जोडकर विविध कार्यक्रमों की शुरूआत मंगलवार को तारा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम केन्द्र में एडीजे राहुल चौधरी के मुख्य आतिथ्य में की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर द्वारा की गई।

कार्यक्रम के आरम्भ में तारा संस्थान के दीपेश मित्तल द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए वृद्धाश्रम केन्द्र की स्थापना एवं देय सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। युवा मामलात विभाग के अधिकारी समीर खान द्वारा कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला और सप्ताहभर के कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि एडीजे राहुल चौधरी द्वारा वरिष्ठजनों के लिये प्रचलित कानूनों की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए वरिष्ठजनों से मार्गदर्शन लेने एवं सीखने की बात बतायी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक श्री भटनागर द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, वृद्धाश्रम केन्द्र, स्वयंसिद्धा आश्रम एवं मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह की जानकारी देते हुए कहा की वरिष्ठजन अनुभव की खान है। हमें उनसे निरन्तर सीखने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने बताया कि वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशील व्यवहार करना चाहिये। मंगलवार को विश्व बुजुर्ग जागरूकता दिवस के अवसर पर बुजुर्ग व्यक्तियों के अधिकारों से संबंधित जागरूकता पोस्टर का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। अति जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्री चैधरी द्वारा वृद्धाश्रम केन्द्र का विजिट कर वृद्धजनों से बातचीत कर केन्द्र की व्यवस्था को भी देखा। अंत में धन्यवाद सामाजिक सुरक्षा अधिकारी हर्षित पंचोली द्वारा ज्ञापित किया गया।

मुख्य सचिव ने ग्रामीण सेवा शिविर का किया औचक निरीक्षण, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को बस्सी पंचायत समिति की मानगढ़ खोखावाला ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं विधिक निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में राजस्व रिकॉर्ड शुद्धिकरण, नामांतरण, आवासीय पट्टों का वितरण, शौचालय स्वीकृति, पेयजल एवं विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान किया गया। वहीं स्वयं सहायता समूहों के गठन और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ भी वितरित किए गए। मुख्य सचिव ने छह लाभार्थियों को आवासीय पट्टे, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत आश्रित परिवारों को 2 लाख रुपये के चेक तथा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत एक महिला को 31 हजार रुपये की सहायता स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का उसी दिन समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा सरकारी योजनाओं की शत-प्रतिशत संतृप्ति के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया ।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लाभ वितरण 19 को

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर द्वारा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी लाभ वितरण कार्यक्रम 19 जून 2026 को चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री सभागार में होगा। इस दौरान नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। समारोह के दौरान उदयपुर जिले के 127 संस्थान और 1141 कार्मिक लाभान्वित होंगे।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रशान्त कुमार सिन्हा ने मंगलवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उदयपुर में 19 जून को प्रस्तावित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया होंगे। वहीं लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, विधायक फूलसिंह मीणा, ताराचंद जैन भी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग एवं व्यापार संगठनों के प्रतिनिधि, प्रतिष्ठान संचालक, श्रमिक प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं लाभार्थी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के राष्ट्रव्यापी लाभ वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसमें देशभर के लाभार्थी, नियोक्ता एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लाभार्थियों को संबोधित करेंगे तथा रोजगार सृजन एवं सामाजिक सुरक्षा विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश देंगे।

श्री सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का उद्देश्य नए रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना, औपचारिक क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देना तथा अधिकाधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। कार्यक्रम के दौरान योजना के लाभार्थियों को लाभ वितरण किया जाएगा तथा नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों को योजना की विशेषताओं एवं लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। उदयपुर संभाग के कुल 127 संस्थानों को करीब 99 लाख का इंसेंटिव मिलेगा इसके अलावा पहली बार जॉब पर लगने वाले करीब 1141 कार्मिकों को लगभग 50 लाख रूपए की राशि रिलीज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत 2 वर्ष तक एवं निर्माण क्षेत्र की इकाइयों को 4 साल तक लाभ मिलेगा।

क्षेत्रीय आयुक्त द्वितीय रौनक जैन ने बताया कि ईपीएफओ, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। प्रेसवार्ता के दौरान ईपीएफओ से जीएल नागदा सहित सभी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में कई वर्षों से रुकी हुई पुरानी राजस्व रिकॉर्ड त्रुटि हुई दुरुस्त, लाभार्थी को मिला न्याय

मातासुला शिविर में मौके पर नाम शुद्धिकरण कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया सही नाम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर । राज्य सरकार के निदेर्शानुसार आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर 2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में पंचायत समिति झल्लारा की ग्राम पंचायत मातासुला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में वर्षों पुरानी राजस्व रिकॉर्ड की त्रुटि का मौके पर समाधान कर एक ग्रामीण को बड़ी राहत प्रदान की गई।

ग्राम पंचायत मातासुला निवासी मोतिया पुत्र मेघा ने शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्या रखी कि उनकी जमाबंदी नकल के संवत 75-78 के रिकॉर्ड में खाता संख्या 109, आराजी 11, रकबा 1.040 हेक्टेयर भूमि में उनके नाम के स्थान पर गलत नाम अंकित हो

गया था। इस त्रुटि के कारण उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं दस्तावेजों से संबंधित कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

शिविर प्रभारी, सहायक शिविर प्रभारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रिकॉर्ड का परीक्षण किया तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए राजस्व अभिलेखों में नाम शुद्धिकरण की प्रक्रिया पूर्ण कर सही नाम दर्ज कराया।

समस्या के त्वरित समाधान से लाभार्थी एवं उनके परिवार ने राहत महसूस की। लाभार्थी मोतिया ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन, जिला कलक्टर, शिविर प्रभारी एवं संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान हो रहा है, जिससे ग्रामीणों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से मुक्ति मिल रही है।

ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, नामांतरण, प्रमाण-पत्र, पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे प्रशासन और जनता के बीच विश्वास और मजबूत हो रहा है।

ऑपरेशन विषभंजन के तहत 33 ग्राम एमडीएमए जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

बालोतरा । नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन विषभंजन के तहत जसोल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि डीएसटी बालोतरा से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने माजीवाला स्थित आईटीआई कॉलेज के सामने दबिश दी। मौके से शानवाज खान और जहांगीर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 33 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया।

जांच के दौरान मादक पदार्थ के खरीददार आदिल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपी पाली जिले के सोजत सिटी क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर मादक पदार्थ के स्रोत और तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

ई-श्रम पोर्टल से राजस्थान के 1.54 करोड़ श्रमिक जुड़े

जयपुर @ पदमावत मीडिया। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए शुरू किया गया ई-श्रम पोर्टल राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बनकर उभरा है। राज्य में अब तक 1 करोड़ 54 लाख 50 हजार से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है। पंजीकृत श्रमिकों में 82.40 लाख महिलाएं और 72.09 लाख पुरुष शामिल हैं। सबसे अधिक पंजीकरण कृषि क्षेत्र (85.99 लाख), निर्माण क्षेत्र (24.29 लाख) और वस्त्र उद्योग (8.02 लाख) से हुआ है। ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है। राज्य में एक करोड़ से अधिक श्रमिकों ने स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, जबकि बड़ी संख्या में श्रमिक कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से भी इस अभियान से जुड़े हैं। सरकार के अनुसार ई-श्रम पोर्टल श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ढाई खेड़ा ग्राम पंचायत में आज लगेगा ग्रामीण सेवा शिविर

सलूम्बर @ पदमावत मीडिया। ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत बुधवार को लसाड़िया ब्लॉक की ढाई खेड़ा ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य आमजन को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। शिविर में राजस्व, पंचायतीराज, कृषि, जलदाय, विद्युत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। यहां पात्र लाभार्थियों का पंजीयन, प्रमाण-पत्र जारी करने, शिकायतों के निस्तारण एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

छोटा मदार में योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास

बड़गांव @ पदमावत मीडिया। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को छोटा मदार में योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में

ग्रामवासियों एवं पेंशनर समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया। ब्लॉक स्तरीय नोडल प्रभारी डॉ. विष्णु बंशीवाल ने बताया कि 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत प्रतिदिन योग पूर्वाभ्यास कराया जा रहा है। प्रतिभागियों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है तथा इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.बी. शर्मा, पंचायत सचिव एवं योग प्रशिक्षक शुभम पुरबिया, वर्षा राव, इरफान खान तथा आयुर्वेद नर्स प्रेमलता अहीर ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने और 21 जून के मुख्य आयोजन में अधिकाधिक भागीदारी का संकल्प लिया।

ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन को अधिकतम लाभान्वित करें : जिला कलक्टर

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने मंगलवार को

वल्लभनगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोटिपा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की स्टॉलों का अवलोकन कर आमजन को दी जा रही सेवाओं एवं परिवेदनाओं के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शिविरों में राजस्व सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों का मौके पर समाधान कर आमजन को राहत प्रदान की जाए।

ग्रामीण सेवा शिविर में त्वरित कार्रवाई: लाभार्थी को मौके पर मिला मृत्यु प्रमाण पत्र

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर । राज्य सरकार की पहल पर आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त मंच साबित हो रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत पीलादर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में एक संवेदनशील प्रकरण का मौके पर ही निस्तारण करते हुए लाभार्थी को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर राहत प्रदान की गई। ग्राम पंचायत पीलादर निवासी पाचो पुत्र थावरा ने अपने पिता स्वर्गीय थावरा पुत्र कवरा के निधन के उपरांत मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। विकास अधिकारी पंचायत समिति

जयसमंद दयाचंद यादव के निर्देशन में प्रकरण का त्वरित निस्तारण करते हुए ग्राम पंचायत द्वारा मौके पर ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर लाभार्थी ने प्रशासन एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस त्वरित कार्रवाई से लाभार्थी को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिली तथा समय एवं धन दोनों की बचत हुई। ग्रामीण सेवा शिविर के माध्यम से आमजन को उनके गांव में ही सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराकर प्रशासन जनकल्याण के संकल्प को साकार कर रहा है।

जैसलमेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 70 लाख रुपये की एमडीएमए, स्मैक और अफीम का दूध बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जैसलमेर। जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जैसलमेर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में एमडीएमए, स्मैक और अफीम का दूध बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेवंतदान तथा वृत्ताधिकारी रूपसिंह इंदा के सुपरविजन में जिला विशेष टीम एवं कोतवाली थाना पुलिस

ने संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस मुख्यालय एवं जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 15 जून 2026 को कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी गेनसिंह पुत्र प्रतापसिंह राजपूत एवं जयसिंह पुत्र सवाईसिंह राजपूत निवासी लखमणा, जिला जैसलमेर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 516 ग्राम एमडीएमए, 94.7 ग्राम स्मैक तथा 80.2 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया गया।

पुलिस ने मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार संख्या आरजे 18 बीके 4327 को भी जब्त कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत अनुसंधान शुरू किया गया है।

पुलिस आरोपियों से मादक पदार्थों के स्रोत, खरीद-फरोख्त तथा तस्करी नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। जिला विशेष टीम और कोतवाली थाना पुलिस की यह कार्रवाई एमडीएमए जब्ती के मामले में जैसलमेर जिले की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

पावली ग्रामीण सेवा शिविर में हुआ 100 से अधिक प्रकरणों का निस्तारण, ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। निकटवर्ती ग्राम पंचायत पावली में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में आमजन की समस्याओं का समाधान करते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर प्रभारी उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश एवं तहसीलदार नीरजकुमारी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित निस्तारण कराया। पूर्व विधायक नारायणसिंह देवल ने भी शिविर में पहुंचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और ग्रामीणों से संवाद किया।

नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी ने बताया कि शिविर में

राजस्व, सामाजिक न्याय, चिकित्सा, कृषि, बिजली, जलदाय सहित विभिन्न विभागों द्वारा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। पात्र व्यक्तियों को पेंशन स्वीकृति, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार अपडेट, किसान योजनाओं की जानकारी एवं अन्य सुविधाओं का लाभ दिया गया।

तहसीलदार नीरजकुमारी के निर्देशन में राजस्व विभाग ने नामांतरण के 42, सीमाज्ञान एवं पथरगढ़ी के 6, आपसी सहमति से विभाजन के 3, राजस्व अभिलेख एवं खाता शुद्धिकरण के 22, रास्ते के 3, जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र के 18, आबादी भूमि आवंटन के 1 तथा फार्मर रजिस्ट्री के 12 प्रकरणों का निस्तारण किया।

शिविर में वर्षों से लंबित राजस्व रिकॉर्ड की त्रुटियों का भी सुधार किया गया तथा गलत दर्ज नामों को संशोधित कर संबंधित परिवारों को राहत प्रदान की गई। इसके अलावा पात्र लाभार्थियों को पंचायत पट्टों का वितरण किया गया, जिससे उन्हें अपने आवासीय भूखंडों पर कानूनी अधिकार प्राप्त हुए। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए शिविर को जनहितकारी पहल बताया।

ग्रामीण सेवा शिविर में संवेदनशील प्रशासन की मिसाल : देवली देवी की पेंशन स्वीकृत, एक ही दिन में पीपीओ जारी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर । राज्य सरकार के निदेर्शानुसार आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत ग्राम पंचायत मातासुला में प्रशासन ने त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही करते हुए एक पात्र महिला को उसी दिन सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत कर पीपीओ जारी कर राहत प्रदान की। ग्राम पंचायत मातासुला के डामोरफला निवासी देवली पत्नी वजिया ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन हेतु ग्रामीण सेवा शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों द्वारा आवेदन की तत्काल जांच कर पात्रता का सत्यापन किया गया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद लाभार्थी की पेंशन स्वीकृत करते हुए उसी दिन पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश) जारी कर दिया गया तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रारंभ करने की प्रक्रिया भी पूर्ण कर दी गई। एक ही दिन में पेंशन स्वीकृति एवं पीपीओ जारी होने से लाभार्थी देवली देवी ने प्रसन्नता

व्यक्त करते हुए राजस्थान सरकार एवं जिला प्रशासन सलूम्बर का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ अब सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से मिल रहा है। ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से प्रशासन आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान कर उन्हें त्वरित राहत प्रदान कर रहा है। शिविरों में पात्रता जांच, दस्तावेज सत्यापन एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ का उदयपुर दौरा

एमबी अस्पताल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, कार्डियक सर्जन को तत्काल वापस लगाने के दिए निर्देश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ मंगलवार को उदयपुर दौरे पर रही। इस दौरान उन्होंने संभाग के सबसे बड़े महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय (एमबी हॉस्पिटल) का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न विंग्स का दौरा करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया और भर्ती मरीजों से संवाद कर उपलब्ध उपचार एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण, मरीजों से जाना हालचाल

प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का अवलोकन करते हुए चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, साफ-सफाई, संसाधनों की उपलब्धता तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से सीधे बातचीत कर उनका हालचाल पूछा तथा अस्पताल में मिल रही सेवाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। आरएनटी मेडिकल कॉलेज में ली समस्त विभागाध्यक्षों की बैठक, रिसर्च और स्टूडेंट सीट अपग्रेडेशन पर मंथन

इसके पश्चात आरएनटी मेडिकल कॉलेज के मीटिंग हॉल में आयोजित बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में जनाना अस्पताल एवं 02 नवीन निमार्णाधीन भवन की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की साथ ही फैकल्टी अपग्रेडेशन तथा चिकित्सा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा

देने से संबंधित पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान उन्होंने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की सेवाओं की भी समीक्षा की। प्रमुख शासन सचिव ने न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी ,कार्डियोलॉजी पीडिएट्रिक एवं पीएसएम सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सकों से चर्चा कर अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया।

कार्डियक सर्जन की कमी पर दिखाई गंभीरता, तत्काल दिए निर्देश

बैठक में अधिकारियों द्वारा प्रमुख शासन सचिव को अवगत कराया कि कार्डियक सर्जन का अन्यत्र स्थानांतरण होने से यहां पद रिक्त है एवं सेवाएं बाधित हो रही है जिस पर अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ की कमी को देखते हुए श्रीमती राठौड़ ने इसे गंभीरता से लिया एवं संबंधित चिकित्सक को पुनः उदयपुर हृदय रोग विभाग में लगाने हेतु संबंधित को निर्देश प्रदान किये ताकि हृदय रोगियों को विशेषज्ञ सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राहुल जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक आदित्य , एमबी अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर. एल. सुमन सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष एवं चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

गुड़ामालानी थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: भूमिगत टैंक में छिपाकर रखा 700 लीटर अवैध बायोडीजल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

बालोतरा। जिले में अवैध बायोडीजल के भंडारण एवं खरीद-फरोख्त के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुड़ामालानी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भूमिगत टैंक में छिपाकर रखा 700 लीटर अवैध बायोडीजल बरामद किया है। पुलिस ने मौके से टैंक, मोटर एवं पाइप भी जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक रमेश आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूल सिंह, वृत्ताधिकारी गुड़ामालानी सुखराम आरपीएस एवं थानाधिकारी जयकिशन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बेरीगांव निवासी हनुमानराम अवैध

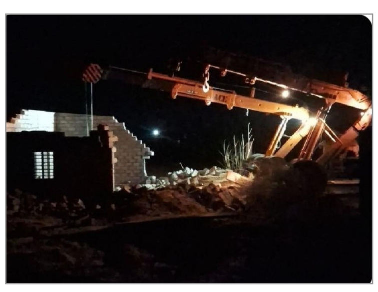

बायोडीजल की खरीद-फरोख्त करता है तथा उसने सरहद बेरीगांव स्थित अपने खेत में बने कमरे के पास भूमिगत लोहे के टैंक में बड़ी मात्रा में अवैध बायोडीजल का भंडारण कर रखा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच के दौरान 700 लीटर अवैध बायोडीजल से भरा टैंक बरामद किया।

पुलिस ने बायोडीजल के भंडारण एवं निकासी में प्रयुक्त मोटर और पाइप भी जब्त

किए हैं। कार्रवाई के दौरान हनुमानराम पुत्र गंगाराम, जाति विश्नोई, निवासी बेरीगांव, थाना गुड़ामालानी, जिला बालोतरा को गिरफ्तार किया गया।

बरामदगी के संबंध में गुड़ामालानी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस मामले में अवैध बायोडीजल के स्रोत एवं इसके नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

घोड़ान कलाँ ग्रामीण सेवा शिविर में 450 ग्रामीण लाभान्वित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

बड़गाँव । ग्राम पंचायत घोड़ान कलाँ में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में 22 विभागों की योजनाओं के तहत करीब 450 ग्रामीणों और किसानों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में राजस्व विभाग ने खातों के विभाजन, खाता शुद्धि, भूमि आवंटन, आबादी विस्तार, सार्वजनिक रास्तों के अंकन एवं नामांतरण सहित कई प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया। पंचायतीराज विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय एवं सोखता

गड्ढों की स्वीकृतियाँ जारी कीं तथा ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। चिकित्सा विभाग ने आयुष्मान भारत कार्ड वितरित कर टीबी स्क्रीनिंग की। वहीं पशुपालन विभाग ने जनजाति कल्याण कोष योजना के तहत 5 मुर्गीपालकों को 50-50 मुर्गियाँ एवं 100-100 किलो पशुआहार वितरित किया तथा बकरीपालन योजना के लिए आवेदन भी भरवाए। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी देकर प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया। ग्रामीणों ने शिविर को जनहितकारी बताते हुए प्रशासन की सराहना की।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉंगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।